(b) Regional Services of All India Radio are intended to provide coverage to the regions around the station. They are not intended for coverage throughout the country. There is, therefore, no proposal to extend the coverage of Jammu Station all over India.

Daily and Weekly Newspapers of Delhi

757. Shri Abdul Ghani: Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state the number of daily and Weekly newspapers published from Delhi and New Delhi in English, Hindi and Urdu with their names?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. B. Gopala Reddi): The information in respect of the year 1960 is contained in the annual Report of the Registrar of Newspapers for India, 1961 (Part II) which was laid on the Table of the House on the 7th December, 1961. The Report of the Registrar of Newspapers for India, 1962, containing information for 1961, will be laid on the Table of the House in due course.

Government-Sponsored Newspaper in Dev Nagri Script

758. Shri P. N. Kayal: Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state whether there is any proposal to publish a Government-sponsored daily newspaper in Dev Nagri Script but in regional languages throughout the country to foster national unity and at the same time to infuse knowledge to the masses?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. B. Gopala Reddi): No, Sir.

पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थियों का पुनर्वास

७५९. **श्री बैरवा** : क्या **निर्माण, आवास और सम्भरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वी पाकिस्तान से आये हुए विस्थापितों को पश्चिमी बंगाल के अतिरिक्त और कहां कहां बसाया गया है ;

(ख) क्या ग्राम घट्टी, तहसील किशनगंज, जिला कोटा में भी पूर्वी पाकिस्तान के कुछ बंगाली शरणार्थियों को बसाया गया है और यदि हां, तो कितने ;

(ग) घट्टी कालोनी योजना पर अब तक कुल कितना खर्च हुआ है और प्रत्येक मद के अधीन कितना-कितना खर्च हुआ है ;

(घ) वहां पर कितने परिवार बसाये जाने की योजना थी और प्रत्येक परिवार के लिये कितना खर्च हुआ है ; और

(ङ) अब वहां पर कितने परिवार बसाना बाकी है ?

निर्माण, आवास और सम्भरण मंत्री (श्री मेहर चंद खन्ना) : (क) आसाम, त्रिपुरा, बिहार, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान और अन्दमान निकोबार द्वीप के विभिन्न स्थानों में ।

(ख) जी हां । इस योजना के अन्तर्गत, २६६ परिवार बसाये गये थे । जिनमें से बाद में १७५ परिवार पुनर्वास बस्तियों को छोड़ गये ।

(ग) अपेक्षित जानकारी के सम्बन्ध में एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है [देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ६०]

(घ) वहां पर ६०० कृषक तथा ६० कृषक भिन्न विस्थापित परिवारों को बसाने की व्यवस्था थी । प्रत्येक परिवार पर जो खर्च हुआ वह अभी तैयार नहीं किया गया क्योंकि अभी कुछ व्यवस्थापन करना शेष है और कुछ आकलन आने शेष हैं ।

(ङ) भविष्य में वहां परिवारों को बसाने की कोई प्रस्तावना नहीं क्योंकि पश्चिमी बंगाल सरकार के अनुसार पूर्वी पाकिस्तान